राज्यिसभा

अतारांकित प्रश्नासंख्या 1990

13 मई, 2015 को उत्त र के लिए

कच्चे माल की कमी का सामना करने वाले इस्पात के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम

1990. श्री तपन कुमार सेन:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या इस्पात के उत्पादन में लगे सरकारी क्षेत्र के उपक्रम कच्चे माल यथा लौह अयस्क तथा कोयला की खरीद में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं, जो उनकी उत्पादन क्षमता को प्रभावित कर रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) सेल और आरआईएलएल के अंतर्गत कैप्टिव लौह-अयस्क तथा कोयले की खानों की वर्तमान स्थिति क्या है और वहां से होने वाले उत्पादन सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने विगत तीन वर्षों तथा वर्तमान वर्ष के दौरान देश के वन क्षेत्रों में अवस्थित लौह अयस्क भंडारों के नजदीक इस्पात संयंत्रों की स्थापना हेतु कोई प्रस्ताव प्राप्त किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तंर

इस्पाबतऔर खान राज्यमंत्री (श्री विष्णुदेव साय)

(क) **:** जी नहीं।

(ख) : सेल झारखंड, ओडिशा, छत्तीीसगढ़ और पश्चिम बंगाल राज्यों में नौ कैप्टिव लौह अयस्कै खानों और चार कैप्टिव कोयला खानों का परिचालन कर रहा है, जोकि निम्नऔवत है:

लौह अयस्कर खान

क्र.सं.	खान	राज्यौ	2014-15 में उत्पाखदन(एमटी)
1	किरिबुरू	झारखंड	3.70
2	मेघाहाताबुरू	झारखंड	3.62
3	गुआ	झारखंड	2.48
4	चिरिया	झारखंड	0.49
5	बोलानी	ओडिशा	4.10
6	बरसुआ	ओडिशा	0.25

7	काल्टा0	ओडिशा	1.30
8	राजहरा ग्रुप	छत्तीीसगढ़	3.70
9	दल्लीग्रुप	छत्ती्सग ढ़	3.53
	कुल	**23.17**	

<u>कोयला खान</u>

क्र.सं.	**खान**	**राज्यो**	**2014-15 में उत्पांदन (एमटी)**
1	चासनल्लाम	झारखंड	0.33
2	जितपुर	झारखंड	0.09
3	तसरा	झारखंड	0.02
4	रामनागोर	पश्चिम बंगाल	0.21
		कुल	**0.65**

आरआईएनएल के पास कोई कैप्टिव लौह अयस्कं अथवा कोयला खान नहीं है।

(ग) : इस्पाित के एक नियंत्रणमुक्तक उद्योग होने के नाते सरकार की भूमिका केवल एक सुविधादाता तक सीमित है , जो उद्योग के सतत विकास और प्रतिस्पमर्धात्मिक विकास के लिए अनुकूल नीतिगत माहौल तैयार करती है। निवेश संबंधी विशिष्टत निर्णय इस्पाात कंपनियों/निवेशकों द्वारा पूंजी पर रिटर्न संबंधी उनके मूल्यांीकन और अन्य सोच विचारों के आधार पर लिए जाते हैं।

* * * * *